

**न्यायालय अपर कलक्टर, नागौर, जिला नागौर (राज.)**

पीठासीन अधिकारी – श्री चम्पालाल जीनगर, आर0ए0एस0

पंचायत निगरानी संख्या : 65/2022

प्रार्थीगण	बनाम	अप्रार्थीगण
1 नरपतराम पुत्र मंगलाराम जाति जाट निवासी ग्राम नरादणा तहसील जायल, पंचायत समिति-मूण्डवा, जिला नागौर।		1 तीजादेवी पत्नी हरेन्द्र जाट पुत्र मंगलाराम जाति जाट निवासी ग्राम नरादणा तहसील जायल, जिला नागौर।
2 पांची देवी पत्नी मंगलाराम जाति जाट निवासी ग्राम नरादणा तहसील जायल जिला नागौर।		2 ए यू स्मॉल फाईनेंस बैंक लिमिटेड शाखा कार्यालय नागौर, प्रथम मंजिल अजमेर रोड, गोरधन रामजीवण पेट्रोल पम्प के सामने नागौर, जिला नागौर।
		3 ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत डिडिया कलां, पंचायत समिति मूण्डवा।

उपस्थिति-

- 1 श्री सुमित मुण्डेल अधिवक्ता, प्रार्थीगण की ओर से
- 2 श्री हरदेव राम, अधिवक्ता अप्रार्थी संख्या 01 की ओर से।
- 3 श्री पवन श्रीमाली, अधिवक्ता अप्रार्थी संख्या 02 की ओर से।

**पंचायत निगरानी अन्तर्गत धारा 97 राज. पंचायतराज अधिनियम 1994**

**निर्णय**

दिनांक 08.09.2025

1- प्रकरण इस प्रकार है कि प्रस्तुत निगरानी राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 97 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत डिडिया कलां द्वारा बुक संख्या 43 के पट्टा संख्या 23 जारी किया गया, से असंतुष्ट होकर दिनांक 07.12.22 को प्रस्तुत की गई। प्रार्थीगण की निगरानी दिनांक 12.12.22 को दर्ज रजिस्टर की जाकर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थी संख्या 01 की ओर से श्री हरदेव राम अधिवक्ता ने वकालतनामा पेश किया तथा अप्रार्थी संख्या 02 की ओर से श्री पवन श्रीमाली, अधिवक्ता ने वकालतनामा पेश किया। अप्रार्थी संख्या 03 दिनांक 02.02.2023 को न्यायालय में उपस्थित हुए तत्पश्चात न्यायालय में गैर हाजिर रहे हैं। प्रार्थीगण ने अपनी निगरानी के समर्थन में पट्टा संख्या 11, 12, 002, 23 व 33 की फोटोप्रति, ग्राम पंचायत डिडिया, पंचायत समिति मुण्डवा के पत्र की फोटोप्रति, नरपतराम व पांचीदेवी के आधार कार्ड की फोटोप्रति, ग्राम पंचायत डिडिया कलां के पत्र-2 दिनांक 23.08.24 की फोटोप्रति पेश की। अधीनस्थ न्यायालय ने अपने पत्र दिनांक 02.02.2023 द्वारा उक्त पट्टे से संबंधित मूल रिकार्ड ग्राम पंचायत डिडियाकलां में उपलब्ध होना नहीं बताया।

2- उभयपक्ष की बहस सुनी गई। दौराने बहस वकील प्रार्थीगण ने निगरानी में वर्णित तथ्यों को दुहराते हुए दलील दी कि -

2(1)- ग्राम नरादणा, ग्राम पंचायत डिडिया कलां, पंचायत समिति मुण्डवा की आबादी क्षेत्र में एक रहवासी मकान पट्टा सुद स्वामित्व का पट्टा संख्या 12 बुक संख्या 38 का दिनांक 01.08.2017 को प्रार्थी संख्या 1 के नाम जारी किया गया, जो ग्राम पंचायत डिडिया कलां के संकल्प संख्या 01 दिनांक 18.05.17 की अनुपालना में दिनांक 01.08.2017 को जारी ग्राम पंचायत द्वारा किया हुआ है। उक्त पट्टा में वर्णित भूमि के पडौस निम्न है- उत्तर दिशा में मंगलाराम का मकान, दक्षिण दिशा में ओमप्रकाश का मकान, पूर्व दिशा में रतनाराम का मकान तथा पश्चिम दिशा में आम रास्ता व निकाल है। उपरोक्त पडौस बीच की निम्न माप की भूमि का पट्टा प्रार्थी संख्या 1 के नाम जारी हुआ, उत्तर दिशा 81 फुट, दक्षिण दिशा 81 फुट, पूर्व दिशा में 25 फुट व पश्चिम में 25 फुट लम्बाई माप का है जिसका कुल क्षेत्रफल 225 वर्गगज है। जो पट्टा उप पंजीयक जायल में रजिस्टर्ड भी है। उक्त भूमि के माप में प्रार्थी ने मकान निर्माण करवाकर रहवास भी शुरू कर रखा, जिसमें किसी अन्य का कोई हस्तक्षेप नहीं रहा। इस प्रकार उक्त भूमि प्रार्थी संख्या 1 के सम्पूर्ण रूप से स्वामित्व की निहित हो गयी। इसी तरह प्रार्थी संख्या 2 के पति मंगलाराम पुत्र शिम्भूराम जाति जाट निवासी नरादणा के नाम पट्टा संख्या 11 बुक संख्या 38 का संकल्प संख्या 01 दिनांक 18.05.17 की अनुपालना में दिनांक 01.08.17 को ग्राम पंचायत डिडिया कलां पंचायत समिति मुण्डवा पट्टा जारी किया गया जो आवासीय भूमि का पट्टा रजिस्ट्रेशन उप पंजीयक कार्यालय जायल में रजिस्टर्ड किया गया। जिसके पडौस निम्न है- उत्तर दिशा में आम गुवाड, दक्षिण दिशा में नरपतराम का मकान, पूर्व दिशा में रतनाराम का मकान, पश्चिम दिशा में आम रास्ता व निकाल है। उक्त पट्टे का माप 81 X 25 से कुल 225 वर्गगज क्षेत्रफल है। प्रार्थी संख्या 1 के नाम पट्टा संख्या 12 व प्रार्थी संख्या 2 के पति मंगलाराम के नाम पट्टा संख्या 11 दोनो चिपते ही भू भाग के हैं जिससे उक्त दोनों पट्टों के भू भाग पर दो रहवासी मकान अलग अलग आबादी क्षेत्र ग्राम नरादणा में स्थित होने से उक्त दोनों पट्टों के भू भाग में अन्य किसी का हक अधिकार एवं आधिपत्य नहीं रहा है।

08/9/25  
अपर कलक्टर, नागौर

2(2)-अप्रार्थी संख्या 1 के पति स्वर्गीय हरेन्द्र जाट ने अपने जीवनकाल में अप्रार्थी संख्या 3 से मिलावट कर व नाजायज सांठ-गांठ कर प्रार्थी के पटटा सुद स्वामित्व के भूभाग ग्राम डिडिया कलां की आबादी भूमि में प्रार्थी संख्या 1 व प्रार्थी संख्या 2 के पति के नाम पटटा सुद भू-भाग का होते हुए पुनः पटटा बनाने का आवेदन पत्र हरेन्द्र पुत्र मंगलाराम ने प्रस्तुत किया तथा अप्रार्थी संख्या 1 के पति हरेन्द्र के सगे भाई प्रार्थी संख्या 1 व अप्रार्थी संख्या 2 के पति के नाम पटटा संख्या 12 एवं 11 जारी होते हुए भी अप्रार्थी संख्या 3 से दुरभिसंधि कर तथा हरेन्द्र के बदचलन की प्रवृत्ति से फिजूलखर्ची के शौक से प्रार्थीगण की भूमि पर बने मकानों को खुर्द-बुर्द करने की गर्ज से विवादित पटटा संख्या 12 बुक संख्या 38 संकल्प संख्या 01 दिनांक 18.05.17 की अनुपालना में जारी पटटा दिनांक 01.08.2017 तथा पडौस में ही उत्तर दिशा में प्रार्थी के पिता के नाम पटटा जारी दिनांक 01.08.2017 का रजिस्टर्ड दिनांक 08.01.2018 को सम्मिलित भू भाग का पुनः नया पटटा अप्रार्थी संख्या 1 के पति हरेन्द्र ने अपने नाम पटटा संख्या 23 बुक संख्या 43 संकल्प संख्या 01 दिनांक 27.06.2018 की अनुपालना में पटटा दिनांक 26.01.2019 को जारी करवाकर रजिस्टर्ड दिनांक 20.06.2019 को करवाया गया। जिसके वर्णित पडौस ही पूर्व पटटा में दर्ज है। मगर माप का कुछ अन्तर दर्ज कर दिया गया एवं फर्जी व कूटरचित पटटा जारी कर लिया जो पटटा संख्या 23 में उत्तर में 50 फुट, दक्षिण में 50 फुट, पूर्व में 54 फुट व पश्चिम में 54 फुट से क्षेत्रफल 300 वर्गगज एवं 2700 वर्ग फुट दर्ज है जो पटटा पूर्णतः कूटरचित है। इस प्रकार अप्रार्थी संख्या 1 के पति हरेन्द्र के नाम कूटरचित व फर्जी पटटा जारी यिका याग है। ग्राम पंचायत डिडिया कलां के जारी पटटा संख्या 11 के स्वामी मंगलाराम पुत्र शिम्भूराम जाट निवासी ग्राम नरादणा का देहान्त भी हो चुका है, जिनके वारिस श्रीमति पांची देवी व पुत्र प्रार्थी नरपतराम द्वारा अवैध पटटे हरेन्द्र जाट के नाम को चुनौती निम्न आधार पर दी जा रही है। जो जानकारी होने पर नकलें प्राप्त कर यह अन्तर मियाद निगरानी प्रस्तुत है।

2(3)- ग्राम पंचायत डिडिया कलां के ग्राम विकास अधिकारी द्वारा पंचायत राज संस्था के द्वारा प्रस्ताव संख्या 01 दिनांक 18.05.17 की अनुपालना में दिनांक 01.08.17 को पटटा संख्या 12 जारी हो रखा था, इसी तरह संकल्प संख्या 01 दिनांक 18.05.17 की अनुपालना में दिनांक 01.08.17 को पटटे जारी होते हुए भी अप्रार्थी संख्या 3 ने विधि विरुद्ध रूप से फर्जी व कूट रचित दस्तावेज पुनः उसी भूमि का माप में अन्तर दर्शाकर पटटा संख्या 023 बुक संख्या 43 के भू भाग का पटटा अप्रार्थी संख्या 1 के पति हरेन्द्र के नाम जारी करने में पंचायती राज संस्था द्वारा या उसकी स्थायी समिति अथवा उप समिति ने अभिलेख में कूटरचित कर आदेशित पटटा संख्या 023 जारी करने के विधिविरुद्ध पारित किया है, जो अवैध होने से काबिल निरस्त किये जाने के है, जिससे पटटा संख्या 023 खारिज किये जाने के है।

2(4) प्रार्थीगण ने अप्रार्थी संख्या 3 के कार्यालय मे उक्त पटटा संख्या 023 जो हरेन्द्र जाट पुत्र मंगलाराम के नाम होने की मिसल एवं पटटा की नकलों की मांग की तब ग्राम विकास अधिकारी ग्राम पंचायत डिडिया कलां एवं सरपंच ने ग्राम पंचायत डिडिया कलां के कार्यालय में रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होना लिखकर दे दिया, जिससे भी ग्राम पंचायत डिडिया कलां के ग्राम नरादणा की आबादी भूमि में पटटा संख्या 023 कूटरचित व फर्जी है, जिससे उक्त दोनों पटटे प्रार्थी के पूर्व पटटा संख्या 12 बुक संख्या 38 व पटटा संख्या 11 बुक नम्बर 38 की भूमि के होने से पटटा संख्या 023 काबिल खारिज किये जाने योग्य है।

2(5)- अप्रार्थी संख्या 1 के पति हरेन्द्र पुत्र मंगलाराम ने अपने जीवनकाल में पटटा संख्या 023 को अप्रार्थी संख्या 2 के रहन कर ऋण ले लिया एवं फिजूलखर्ची व असामाजिक गतिविधियों में रूपये खर्च कर प्रार्थी के पटटा सुद भू भाग को खुर्द-बुर्द करने व नीलाम कराने की योजना से फर्जी कार्यवाही की, तथा फर्जी पटटाधारी हरेन्द्र पुत्र मंगलाराम का देहान्त दिनांक 16.12.21 को हो जाने पर उक्त बैंक अप्रार्थी संख्या 2 ने प्रार्थीगण के रहवासी मकानों को कुर्क करने की कार्यवाही कर दी जो अप्रार्थी संख्या 1 के पति हरेन्द्र के नाम जारी पटटा संख्या 023 शुरू से ही फर्जी व कूटरचित होने से शून्य व निष्प्रभावी रहे, जिसके आधार पर अप्रार्थी संख्या 2 की कार्यवाही भी विधिविरुद्ध व निष्प्रभावी है। इसलिए भी अप्रार्थी संख्या 2 को प्रार्थीगण के पटटा संख्या 12 व पटटा संख्या 11 ग्राम पंचायत डिडिया कलां के ग्राम नरादणा के प्रार्थीगण के रहवासी मकानों में हस्तक्षेप करने व दखल व कुर्की आदि करने व कराने से रोका जाना न्यायसंगत है।

2(6)-पटटा संख्या 023 दिनांक 27.06.2018 की अनुपालना में दिनांक 26.01.19 को ग्राम पंचायत द्वारा जारी पटटा अवैध व विधि विरुद्ध व अनियमितता का है जबकि प्रार्थीगण के नाम के जारी हो रखे पटटो की भूमि पर पुनः नये पटटे जारी करने की पंचायत राज संस्था ने अनियमितता की है। उसी भूमि व पडौस बीच के मकान के पटटा संख्या 12 प्रार्थी नरपतराम के नाम दिनांक 01.08.17 को पटटा संख्या 11 प्रार्थी के पिता

08/9/18  
अपर कमिश्नर, नागौर

मंगलाराम के नाम दिनांक 01.08.17 को जारी हो रखे थे, जिसके पुनः उसी भूमि के मकानों के पट्टे अप्रार्थी संख्या 3 ने ग्राम पंचायत डिडिया कलां ने ग्राम नरादणा की आबादी भूमि के पट्टा जारी करने में भारी अनियमितता की है। अपने पूर्व के रिकॉर्ड का भी अवलोकन नहीं किया गया, ना ही प्रार्थी संख्या 1 व प्रार्थी संख्या 2 के पति मंगलाराम का कोई लिखित में सूचना नहीं दी गयी थी। बल्कि अप्रार्थी संख्या 1 के पति हरेन्द्र ने अप्रार्थी संख्या 3 से मिलावट कर चुपचाप फर्जी तरीके से ग्राम पंचायत संस्था ने ग्राम पंचायत अभिलेख में कूटरचना कर विनिश्चय कर लिया जो सर्वप्रथम अवैध व विधिविरुद्ध होने से खारिज किये जाने के हैं। इसलिए पट्टा संख्या 023 काबिल खारिज किये जाने हैं।

3- अप्रार्थी संख्या 02 ने बहस करते हुए बताया कि ग्राम विकास अधिकारी डिडियाकलां द्वारा पट्टा संख्या 23 का रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं होना लिखकर दे दिया मात्र रिकॉर्ड नहीं मिलने से ही पट्टा फर्जी नहीं हो जाता है जबकि ग्राम पंचायत द्वारा जारी उप पंजियक द्वारा पंजीकृत पट्टा असल उपलब्ध है तथा व अप्रार्थी संख्या 2 के यहा ऋण के बदले में रहन रखा हुआ है, तथा विधि का सर्वमान्य सिद्धांत है कि किसी भी पंजीकृत दस्तावेज को रद्द करने का अधिकार दिवानी न्यायालय को प्राप्त है इसके अतिरिक्त किसी न्यायालय द्वारा पंजीकृत दस्तावेज को रद्द करने का अधिकार नहीं है, इसलिए प्रार्थी द्वारा इस निगरानी में जगह जगह पट्टा रद्द करने की मांगी की है जो विधि के अनुसार नहीं होने से यह निगरानी काबिल खारिज के है।

4- पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजात् का अवलोकन किया गया। बहस पर मनन किया गया। प्रार्थीगण द्वारा निगरानी राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 की धारा 97 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत डिडिया कलां द्वारा बुक संख्या 43 के पट्टा संख्या 23, को निरस्त किये जाने को लेकर प्रस्तुत की गई। पत्रावली का अवलोकन करने से ज्ञात होता है कि पूर्व में ग्राम पंचायत डिडिया कलां द्वारा पट्टा संख्या 11 दिनांक 01.08.17 को प्रार्थी संख्या 01 के पिता मंगलाराम तथा पट्टा संख्या 12 दिनांक 01.08.17 को प्रार्थी संख्या 01 के नाम जारी किया हुआ था, तत्पश्चात ग्राम पंचायत द्वारा पुनः उसी जायगा का अप्रार्थी संख्या 01 के पति हरेन्द्र के नाम पट्टा संख्या 002 जारी किया जाना प्रतीत होता है। ग्राम पंचायत को किसी भी जायगा का एक बार पट्टा जारी होने के पश्चात उसी जायगा का पुनः पट्टा जारी करने का अधिकार नहीं है। ऐसी स्थिति में आदेश जैर निगरानी में हस्तक्षेप किया जाना उचित प्रतीत होता है।

5- उपर्युक्त विवेचन के आधार पर प्रार्थीगण द्वारा प्रस्तुत निगरानी आंशिक रूप से स्वीकार की जाकर प्रकरण पुनः ग्राम पंचायत डिडिया कलां, पंचायत समिति, मुण्डवा को प्रेषित कर निर्देशित किया जाता है कि ग्राम पंचायत पंचायत द्वारा अप्रार्थी सं. 1 के पति हरेन्द्र के नाम जारी बुक संख्या 43 के पट्टा संख्या 23 के संबंध में उपरोक्त ऑब्जरवेशन को ध्यान में रखते हुए मौके की स्थिति रिकार्ड पर लेवे तथा दोनो पक्षों को सुनवाई, सबूत आदि का अवसर देते हुए गुणावगुण पर आदेश पारित करे।

6- निर्णय आज खुले न्यायालय में सुनाया गया।

08/9/17  
(चम्पालाल जीनमर)

अपर कलक्टर, नागौर  
अपर कलक्टर, नागौर